चला है कि 80% बीमारियों का कारण अस्वछता है। 1 ग्राम मल में एक करोड़ वायरस तथा दस लाख बैक्टीरिया होते हैं। ये वायरस एवं बैक्टीरिया मक्खी के साथ, भोजन के माध्यम से मनुष्यों में प्रवेश कर बीमार कर देते हैं। इसके अलावा शौचालय के अभाव में महिलाओं को विशेषकर सबसे अधिक कठिनाई होती हैं जिन्हें अंधेरा होने का इंतजार करना पड़ता है तथा साँप, बिच्छु तथाउनके सम्मान का खतरा भी बना रहता है। बच्चों के शौच के बारे में भी कुछ भ्रान्तियाँ हैं कि यह हानिकारक नहीं होता है, परन्तु ऐसी बात नहीं है। यह भी उतना ही हानिकारक होता है। पोलियो शौच के माध्यम से फैलता है।

प्र0 हमारे पास तो खाने को पैसे नहीं हैं, हम शौचालय कैसे बनायेंगे ?

उ0 अब शौचालय बनाना बहुत ही आसान एवं सस्ता हो गया है। अब शौचालय 1500 रुपये में भी बन सकता हैं तथा बी0 पी0 एल0 परिवारों को सरकार द्वारा 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। खुले में शौच जाने से आप बीमार पड़ेंगे तथा आप गरीबी के कुचक्र में फंसते जाएँगे।

प्र0 घर बनाने के लिए तो पर्याप्त जगह ही नहीं, शौचालय बनाने के लिए जगह कहाँ से आयेगा ?

उ0 हमारे दिमाग में यह धारणा है कि शौचालय बनाने के लिए ज्यादा जगह की जरुरत होती है। चूंकि हम सेप्टिक टेंक शौचालय को ही जानते है। परन्तु हमें यह मालूम होना चाहिए कि गड्ढे वाले शौचालय का निर्माण मात्र एक मीटर व्यास में भी की जा सकती है। अतः थोड़े ही जगह में इस तरह के शौचालय का निर्माण कराया जा सकता है। चूंकि यह जलबंद शौचालय है अतः इससे बदबू भी नहीं आती है।

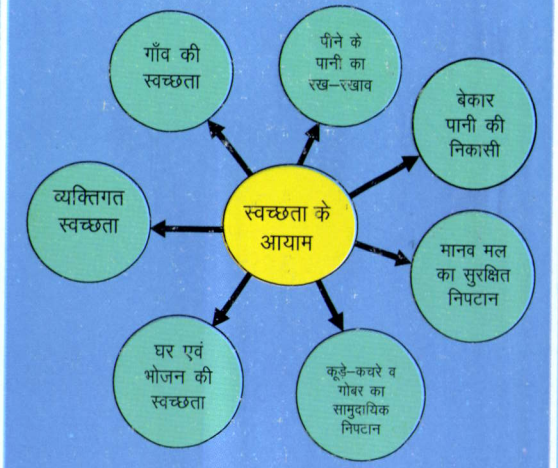

शौचालय निर्माण तथा अन्य जानकारी के लिए

अपने जिले के प्रकल्प कार्यालय, उपविकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता तथा कनीय अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अपने पंचायत के मुखिया, अपने प्रखण्ड में कार्यरत स्वयंसेवी संस्था या नजदीकी उत्पादन केन्द्र से सम्पर्क करें।

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान

सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

बिहार राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन
लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना।
बिहार सरकार
सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान
सफाई में सगाई

प्र0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान क्या है?

उ0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाया जानेवाला माँग आधारित एवं समुदाय केन्द्रित अभियान है। इस अभियान के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले सभी वर्ग, धर्म, सम्प्रदाय के लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लोगों के स्थिति के अनुसार विभिन्न प्रकार के शौचालय विकल्पों को उपलब्ध कराया जाता है। इसका जोर एक सुदृढ़ एवं प्रभावकारी शिक्षा, सूचना एवं संप्रेषण प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता सुविधाओं की माँग उत्पन्न करना, स्वच्छता सुविधाओं की उत्पन्न माँग के लिए सामाजिक विपणन (Social Marketing), उत्पादन केन्द्र तथा ग्रामीण स्वच्छता उपस्कर के द्वारा एक वितरण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, विद्यालय स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम है।

प्र0 स्वच्छता के अभाव में व्यक्ति के जीवन में क्या असर पड़ता है ?

उ0 स्वच्छता के अभाव में :–

- 80% बिमारियाँ साफ पानी नहीं पीने एवं स्वच्छता के अभाव में होती हैं।
- पोलियो खुले में मल त्याग करने से फैलता है।
- डायरिया, मलेरिया, डेंगू, किरमी, इत्यादि दूषित जल से फैलते हैं।
- विश्व में 30 लाख बच्चे मौत का शिकार होते हैं।
- भारत में प्रति 80 सेकेण्ड में एक जिन्दगी समाप्त होती है।
- 180 करोड़ मानव घण्टों की बर्बादी स्वच्छता के अभाव में होती है।
- विद्यालयों में स्वच्छता सुविधा नहीं होने के कारण 70% लड़कियों का 9 वर्ष उम्र के बाद विद्यालयों से क्षीजन।
- विश्व में 40 करोड़ विद्यालय जानेवाले बच्चे पेट के रोग से ग्रसित होते हैं।
- भारत में 24 लाख बच्चे पाँचवा जन्मदिन नहीं मना पाते हैं।
- प्रति वर्ष भारत में 5 वर्ष से कम आयु के 4 लाख बच्चे मौत का शिकार होते हैं।

प्र0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान का उद्देश्य क्या है ?

उ0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान का उद्देश्य खुले में शौच से मुक्ति, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधा के आच्छादन को बढ़ावा देकर लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवनस्तर को बेहतर बनाना तथा महिलाओं को पर्दा एवं मर्यादा प्रदान करना है।

प्र0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान में व्यवस्था क्या है ?

उ0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक घर में शौचालय, सामुदायिक शौचालय, विद्यालय तथा आँगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण का प्रावधान है। शौचालय का निर्माण 1500 रुपये में संभव है तथा गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों को अपने घर में शौचालय निर्माण के लिए 1200 रुपये प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था है।

प्र0 "निर्मल ग्राम" पुरस्कार क्या है ?

उ0 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के कार्यान्वयन को और गति प्रदान करने के लिए भारत सरकार ने "निर्मल ग्राम" पुरस्कार नामक योजना आरंभ की है जो पूरी तरह से स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त ग्राम पंचायत, प्रखण्डों तथा जिलों के लिए है।

प्र0 "निर्मल ग्राम" पुरस्कार किसे मिल सकता है ?

उ0 वैसे ग्राम पंचायत या प्रखण्ड या जिले जिन्होंने निम्न अहर्ताएँ प्राप्त कर ली हैं :–

- प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण तथा उपयोग।
- प्रत्येक विद्यालय तथा आँगनबाड़ी केन्द्र में शौचालय का निर्माण तथा उपयोग।
- खुले में शौच से मुक्ति।
- गाँव की पर्यावरणीय स्वच्छता।

इसके अलावा ऐसे व्यक्ति तथा संगठन जो अपने–अपने भौगोलिक क्षेत्र में पूर्ण स्वच्छता आच्छादन के लिए प्रेरणा शक्ति रहे हैं।

प्र0 "निर्मल ग्राम" पुरस्कार में प्रोत्साहन राशि क्या है ?

उ0 "निर्मल ग्राम" पुरस्कार के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि जनसंख्या के आधार पर होता है :–

क्र0	विवरण	ग्राम पंचायत					ब्लॉक		जिला	
1	जनसंख्या मानदंड	999 तक	1000 से 1999 तक	2000 से 4999 तक	5000 से 9999 तक	10000 एवं अधिक	50,000 तक	10,00000 तक अधिक	10,00000 और इससे अधिक	
2	अनुशंसित नकद प्रोत्साहन राशि	0.50 लाख	1.00 लाख	2.00 लाख	4.00 लाख	5.00 लाख	10.00 लाख	20.00 लाख	50.00 लाख	
3	अलग–अलग व्यक्तियों को प्रोत्साहन (राशि लाख में)	0.10					0.20		0.30	
4	पंचायती राज संस्थाओं से इतर संगठन/संगठनों को प्रोत्साहन (राशि लाख में)	0.20					0.35		0.50	

प्र0 गड्ढे वाले शौचालय की आयु क्या है ?

उ0 एक गड्ढा जो 3 फीट व्यास तथा 3 फीट गहरा हो, अगर एक परिवार के 5–6 सदस्यों के द्वारा प्रयोग में लाया जाता हो तो कम–से–कम गड्ढे के भरने में 4–5 साल लगेंगे। एक बार गड्ढा भर जाये तो इसे बंद कर देना चाहिये तथा 1.5–2 साल के बाद यह एक बढ़िया खाद बन जायेगा। इस खाद में न तो कोई गन्ध होगा तथा न ही कोई हानिकारक जीवाणु।

प्र0 क्या गड्ढे की गहराई बढ़ाना लाभदायक है ?

उ0 अगर हम गड्ढे की गहराई बढ़ायेंगे तो भूमिगत जल प्रदूषित होगा। इसके साथ 3 फीट चौड़ा एवं 3 फीट गहरा गड्ढा एक परिवार के उपयोग के लिए पूर्णतः अनुकूल है। इसके निर्माण के लागत में भी वृद्धि होगी, अधिक गहराई पर डिकम्पोसिशन सही ढंग से नहीं हो पायेगा चूकि वहाँ पर्याप्त सूर्य की रोशनी के माध्यम से ऊष्मता नहीं पहुँच पाएगी तथा जो खाद बनेगा उसे निकालने में भी कठिनाई होगी। अतः गड्ढे की गहराई बढ़ाना लाभदायक नहीं है।

प्र0 क्या गड्ढे वाले शौचालय में वेन्ट पाइप लगाने की जरुरत है ?

उ0 गड्ढे वाले शौचालय में वेन्ट पाइप लगाने की जरुरत नहीं होती है क्योंकि गड्ढे वाले शौचालय के किनारे की दिवार में छिद्र होते हैं जिसके द्वारा गैस मिट्टी में अवशोषित हो जाता है। वेन्ट पाइप लगाने से मक्खी के लीच पीट में प्रवेश करने का खतरा एवं दुर्गन्ध से वायु प्रदूषण होती है।

प्र0 शुद्ध पेयजल स्रोत से शौचालय की कम–से–कम कितनी दूरी होनी चाहिए ?

उ0 कम–से–कम 10 मीटर या 30 फीट।

प्र0 गड्ढे वाले शौचालय को कितने पैसे में निर्माण कराया जा सकता है ?

उ0 गड्ढे वाले शौचालय के बहुत सारे विकल्प मौजुद हैं जो 1500 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक में कराया जा सकता है। व्यक्ति के आर्थिक स्थिति के आधार पर विभिन्न विकल्पों में किसी भी विकल्प को चुनकर निर्माण कराया जा सकता है।

प्र0 सदियों से हमारे गाँव में किसी भी घर में शौचालय नहीं है तथा हमारे घर में कोई बीमार नहीं है तो हमें फिर शौचालय क्यों बनाना चाहिए ?

उ0 ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच करना एक पुरानी प्रथा है। लोगों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के संबंध के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं हैं। परन्तु बहुत सारे अध्ययनों से पता